गुरुवार
4, जून , 2026

अपना नालन्दा
अपना शहर, अपना खबर

वर्ष 2, अंक 115 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

नालंदा के नौ प्रखंडों में खुलेंगे डिग्री कॉलेज, तैयारी तेज

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में उच्च शिक्षा के विस्तार को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार के सात निश्चय-3 (2025-30) के अंतर्गत "उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य" योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में स्थापित किए जाने वाले नौ डिग्री महाविद्यालयों के संचालन हेतु चिन्हित शैक्षणिक संस्थानों में आवश्यक निर्माण, जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई।

जिले के रहुई, नूरसराय, बिंद, नगरनौसा, कतरीसराय, थरथरी, करायपरशूराय, परवलपुर और सरमेरा प्रखंडों में डिग्री कॉलेज संचालन के लिए विद्यालयों का चयन किया गया है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि महाविद्यालय संचालन के लिए आवश्यक वर्गकक्ष, भवन, परिसर, पेयजल, शौचालय तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए फर्नीचर, शैक्षणिक उपस्कर, स्टेशनरी तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता भी शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में विभिन्न संस्थानों की आवश्यकताओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर आयुक्त, प्रभारी उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, वरीय कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत संबंधित प्रधानाध्यापक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर छात्रों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

एडीएम आदेश के बाद भी जमाबंदी बरकरार, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

प्रेम कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जिला लोक शिकायत निवारण वाद संख्या 83/2025,26 में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार सिन्हा द्वारा बिहारशरीफ सदर अंचल के मुरौरा पंचायत स्थित बिस्कुरवा गांव की खाता संख्या 450 की जमाबंदी रद्द करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश सीओ एवं अंचल कर्मियों की जांच रिपोर्ट और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पारित किया गया।

ग्रामीणों, राजगीर विधायक कौशल किशोर तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिस्कुरवा के प्रधानाध्यापक ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि खाता संख्या 450 की 58 डिसमिल गैरमजरूआ भूमि पर अवैध कब्जा कर सार्वजनिक रास्ता बंद कर दिया गया है। मामले की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि वर्ष 1939 के कथित हुकुमनामा के आधार पर जमाबंदी कायम की गई थी, जबकि वह सादा और गैर-निबंधित दस्तावेज है। साथ ही भूमि पर पूर्व में किसी वैध जमाबंदी अथवा लगान रसीद का कोई प्रमाण नहीं मिला।आदेश में कहा गया कि वर्ष 2019 में परिमार्जन के दौरान बिना निर्धारित प्रक्रिया और उचित जांच के जमाबंदी कायम कर दी गई। इसके अलावा मूल जमाबंदी संख्या 156 में गैरमजरूआ भूमि की प्रविष्टि भी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के किए जाने की आशंका व्यक्त की गई है।

इसके बावजूद अब तक अंचल प्रशासन द्वारा जमाबंदी रद्द नहीं किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। साथ ही विवादित भूमि से अतिक्रमण हटाकर वहां सामुदायिक भवन या अन्य जनोपयोगी निर्माण कराने की मांग की है।

आठ दिन से गैस को तरसे उपभोक्ता, एजेंसी पर गंभीर आरोप

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के कटौना स्थित दीपक भारत गैस एजेंसी के खिलाफ उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस सिलेंडर बुक कराने के बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिससे उन्हें लगातार कई दिनों तक एजेंसी का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक भीषण गर्मी में एजेंसी परिसर में इंतजार करने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। एजेंसी कर्मियों द्वारा बार-बार टालमटोल किए जाने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। सैदी गांव की कान्ति देवी, पलटपुर के अर्जुन प्रसाद, बरीठ के धर्मेन्द्र कुमार, चंडीपुर की चमेली देवी, छाछुबिगहा की सिहन्ता देवी और दोलन की चेतावनी भी दी जा रही है।

गुंजन सिंह समेत कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे पिछले आठ दिनों से गैस सिलेंडर प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक सफल नहीं हो सके हैं।

उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि आम ग्राहकों को सिलेंडर नहीं मिलने के बावजूद क्षेत्र में 1800 रुपये तक में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी होने की चर्चा है। लोगों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मामले को लेकर उपभोक्ताओं ने राजगीर अनुमंडल पदाधिकारी को भी फोन पर शिकायत की है। अनुमंडल पदाधिकारी ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फिलहाल उपभोक्ताओं की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है और जल्द समाधान नहीं होने पर आं

वज्रपात से बचाव को नालंदा में जागरूकता अभियान होगा तेज

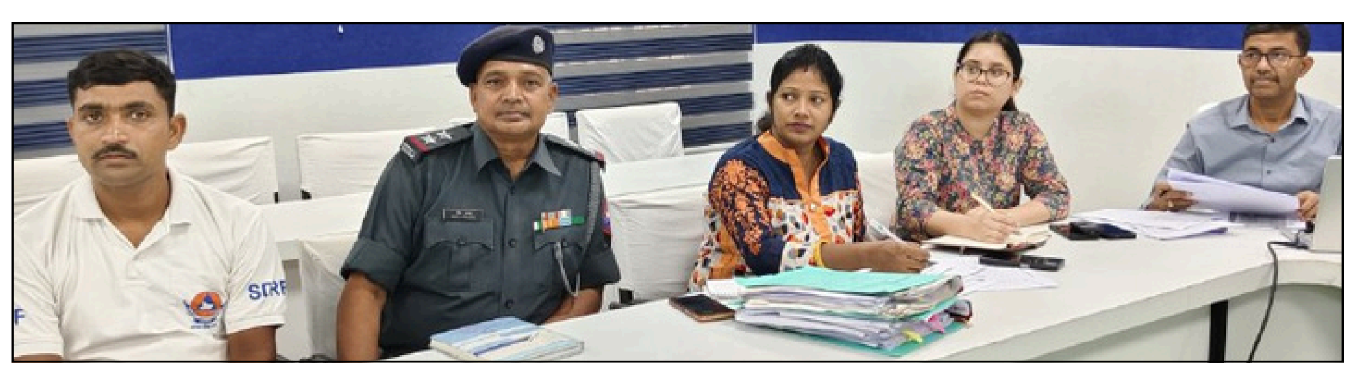

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मानसून के दौरान वज्रपात से होने वाली जनहानि और संपत्ति के नुकसान को कम करने के उद्देश्य से बुधवार को "वज्रपात से सुरक्षा" विषय पर ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तैयार कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक का संचालन बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना पदाधिकारी संदीप वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि बिहार में वज्रपात एक गंभीर प्राकृतिक आपदा के रूप में उभर रही है, जिससे हर वर्ष बड़ी संख्या में लोगों की जान जाती है। ऐसी स्थिति में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, जीविका समूहों, किसान संगठनों तथा अन्य सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक सुरक्षा संबंधी संदेश पहुंचाया जाए।

बैठक में सुरक्षित स्थानों की पहचान, जागरूकता रैली, प्रचार सामग्री वितरण, सोशल मीडिया और स्थानीय संचार माध्यमों के उपयोग के साथ-साथ आपदा मित्रों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मौसम संबंधी चेतावनियों को समय पर आम नागरिकों तक पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

वज्रपात से बचाव के लिए लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे, जलाशयों के पास तथा बिजली के खंभों और धातु की वस्तुओं से दूर रहने की सलाह दी गई। वहीं, खराब मौसम के दौरान सुरक्षित भवन में शरण लेने और खेतों में काम कर रहे लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की गई।

बैठक में अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन), सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन शाखा के कर्मी उपस्थित रहे।

घरेलू काम के दौरान करंट की चपेट में आई महिला, गंभीर झुलसी

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा थाना क्षेत्र के जूनियार पंचायत अंतर्गत नोनिया बिगहा गांव में बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। घायल महिला को तत्काल उपचार के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हिलसा में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है।

घायल महिला की पहचान नोनिया बिगहा गांव निवासी विश्वदेव चौहान की 26 वर्षीय पत्नी पूजा देवी के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार मंगलवार की शाम पूजा देवी अपने घर में घरेलू कार्य कर रही थीं। इसी दौरान किसी तरह वह बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आ गई, जिससे उनके शरीर का एक हिस्सा झुलस गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। समय पर इलाज मिलने से उनकी स्थिति में सुधार बताया जा रहा है, हालांकि चिकित्सक अभी उन्हें निगरानी में रखे हुए हैं।

इस घटना के बाद परिवार के सदस्यों में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने लोगों से बिजली के तारों और विद्युत उपकरणों के इस्तेमाल के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में जर्जर एवं खुले बिजली तारों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की भी मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

धान खरीद के बाद सीएमआर संकट पर डीएम गंभीर

संजय कुमार

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नालंदा जिले में खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति से जुड़े कार्यों की समीक्षा को लेकर बुधवार को जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक के साथ बैठक की। बैठक में सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) की प्राप्ति तथा परिवहन-सह-हथालन अभिकर्ता (डीएसडी) के लंबित भुगतान की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला प्रबंधक ने बताया कि जिले में 229 पैक्स एवं व्यापार मंडलों के माध्यम से 1,32,967.46 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जिसके बदले 90,417.87 मीट्रिक टन सीएमआर प्राप्त किया जाना है। अब तक 61,266.91 मीट्रिक टन सीएमआर प्राप्त हुआ है, जबकि 29,120.96 मीट्रिक टन सीएमआर प्राप्त किया जाना शेष है।

उन्होंने बताया कि जिले के 10 गोदाम लगभग पूरी तरह भर चुके हैं, जिससे सीएमआर संग्रहण में परेशानी हो रही है। इसके कारण पैक्स एवं व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों में असंतोष है और उन पर ब्याज का अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने राज्य खाद्य निगम और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से वार्ता की। इसके बाद मुजफ्फरपुर से दो रेल रैक तथा वैशाली एवं बेगूसराय से एक-एक आईडीटी आवंटित किया गया।

डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र सीएमआर उठाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, सितंबर 2025 से लंबित डीएसडी भुगतान के मुद्दे पर भी उन्होंने पहल की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2025 का भुगतान जल्द जारी कर दिया जाएगा।

जॉर्ज फर्नांडिस के विचार आज भी हैं प्रासंगिक और प्रेरणादायी

विजय प्रकाश उर्फ पिंटू

नूरसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड के काष्ठमांडू में बुधवार को देश के पूर्व रक्षा मंत्री एवं प्रखर समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन और देश के प्रति योगदान पर चर्चा की।

कार्यक्रम में जदयू के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद ने जॉर्ज फर्नांडिस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 3 जून 1930 को कर्नाटक के बेंगलुरु में हुआ था। वे मजदूरों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे और देश के प्रमुख ट्रेड यूनियन नेताओं में शामिल रहे। उन्होंने 1974 की ऐतिहासिक रेलवे हड़ताल का नेतृत्व किया तथा आपातकाल का खुलकर विरोध किया। केंद्र सरकार में उद्योग मंत्री, रेल मंत्री और रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने और देश की सुरक्षा को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

वक्ताओं ने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस नालंदा लोकसभा क्षेत्र से भी जुड़े रहे और बिहार की राजनीति में उनका विशेष योगदान रहा। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और जनसेवा की मिसाल है।

इस अवसर पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार, डॉ. सुनील दत्त, समाजसेवी बबलू कुमार, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष राजेश्वर प्रसाद, राजू पासवान, अंधना पंचायत के सरपंच संतोष पासवान, शैलेंद्र चौहान, शशिभूषण रंजन, लक्ष्मी शाह, भूषण चौहान, रजनीश कुमार, पूर्व मुखिया अविनाश कुमार उर्फ सिक्कू, गौतम कुमार तथा दरुआरा पंचायत के मुखिया सोनू सुल्तान समेत कई समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सूखा इमली का पेड़ गिरने से युवक की दर्दनाक मौत,आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

विजय प्रकाश उर्फ पिंटू

नूरसराय (अपना नालंदा)। नूरसराय थाना क्षेत्र के पथरौरा गांव जाने वाले मार्ग पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में युवक की मौत हो गई। मुर्गी फार्म के समीप सड़क किनारे खड़ा सूखा इमली का पेड़ अचानक गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से मेयार गांव निवासी 27 वर्षीय संजय पासवान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर बिहारशरीफ-नूरसराय मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल, नूरसराय थानाध्यक्ष अरविंद कुमार तथा बीडीओ डॉ. जियाउल हक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

बीडीओ ने तत्काल पारिवारिक लाभ योजना के तहत मृतक के परिजनों को 20 हजार रुपये का चेक प्रदान किया तथा सरकारी प्रावधानों के अनुसार अन्य मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया। करीब 15 से 20 मिनट तक यातायात बाधित रहा।

मृतक के साढ़ू राजीव पासवान ने बताया कि संजय पासवान अपने निर्माणाधीन मकान के लिए सामान जुटा रहे थे। इसी सिलसिले में वह छड़ की चूड़ी खरीदने बाजार गए थे। जैसे ही वह सड़क किनारे स्थित दुकान के पास पहुंचे, सूखा इमली का पेड़ अचानक उनके ऊपर गिर गया।

संजय पासवान मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्री और तीन पुत्र हैं। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

सत्य ही सर्वोच्च धर्म, भागवत कथा में बोले श्याम शुभम

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नू

नूरसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड के उच्च विद्यालय दहपर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्‌भागवत कथा महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंगलवार की संध्या कथा पंडाल भक्तों से खचाखच भरा रहा और श्रद्धालुओं ने कथा का रसपान किया।
इस अवसर पर पूर्व एमएलसी राजू यादव कथा स्थल पहुंचे और लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना कर जिलेवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कथा वाचक सह राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम शुभम जी महाराज ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।
कथा के दौरान श्याम शुभम जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्‌भागवत के मंगलाचरण में किसी विशेष देवता का नहीं, बल्कि सत्य का स्मरण किया जाता है। उन्होंने कहा कि सभी देवी-देवताओं का निवास सत्य में है और सत्य के समान कोई दूसरा धर्म नहीं है। सत्य ही जीवन का आधार और धर्म का मूल तत्व है।
उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान अजन्मा हैं। ईश्वर का वास्तविक स्वरूप जन्म और मृत्यु से परे है। जो व्यक्ति सत्य, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलता है, उसे जीवन में आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।कथा आयोजन को सफल बनाने में समाजसेवी अरविंद कुमार सिन्हा, अमन सिंह, प्रवीण कुमार, रंजू सिन्हा, अंजनी कुमारी, नम्रता कुमारी, अमाया सिन्हा, नीरज सिंह, लड्डू जी, नीतीश महतो, चिक्कू सिंह, फंटूश, जितेंद्र कुमार सहित अनेक महिला-पुरुष कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे रहे। सभी ने कथा पंडाल में व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वच्छ गांव और सुरक्षित जलवायु अभियान को सफल बनाने पर जोर

थरथरी (अपना नालंदा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित अमेरा पंचायत के भतहर गांव में बुधवार को "स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु अभियान" को सफल बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वच्छता पर्यवेक्षक अजय कुमार ने की, जिसमें स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।
बैठक को संबोधित करते हुए अजय कुमार ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने अभियान के उद्देश्यों और इसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी कर्मियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के बिना स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज की परिकल्पना साकार नहीं हो सकती।
प्रखंड समन्वयक नीरज कुमार सार्थी ने कहा कि गांवों को स्वच्छ बनाने तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए लोगों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने पंचायत स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को तेज करने, कचरा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने और सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने पर बल दिया।
बैठक में जल संरक्षण, पौधारोपण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही पंचायतों में चल रही स्वच्छता योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर उन्हें और गति देने पर चर्चा की गई।
इस अवसर पर राधिका देवी, अनिल पासवान, रामप्रसाद बिन्द, विश्वनाथ पासवान, रामप्रताप बिन्द सहित अन्य कर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने अभियान को सफल बनाने और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

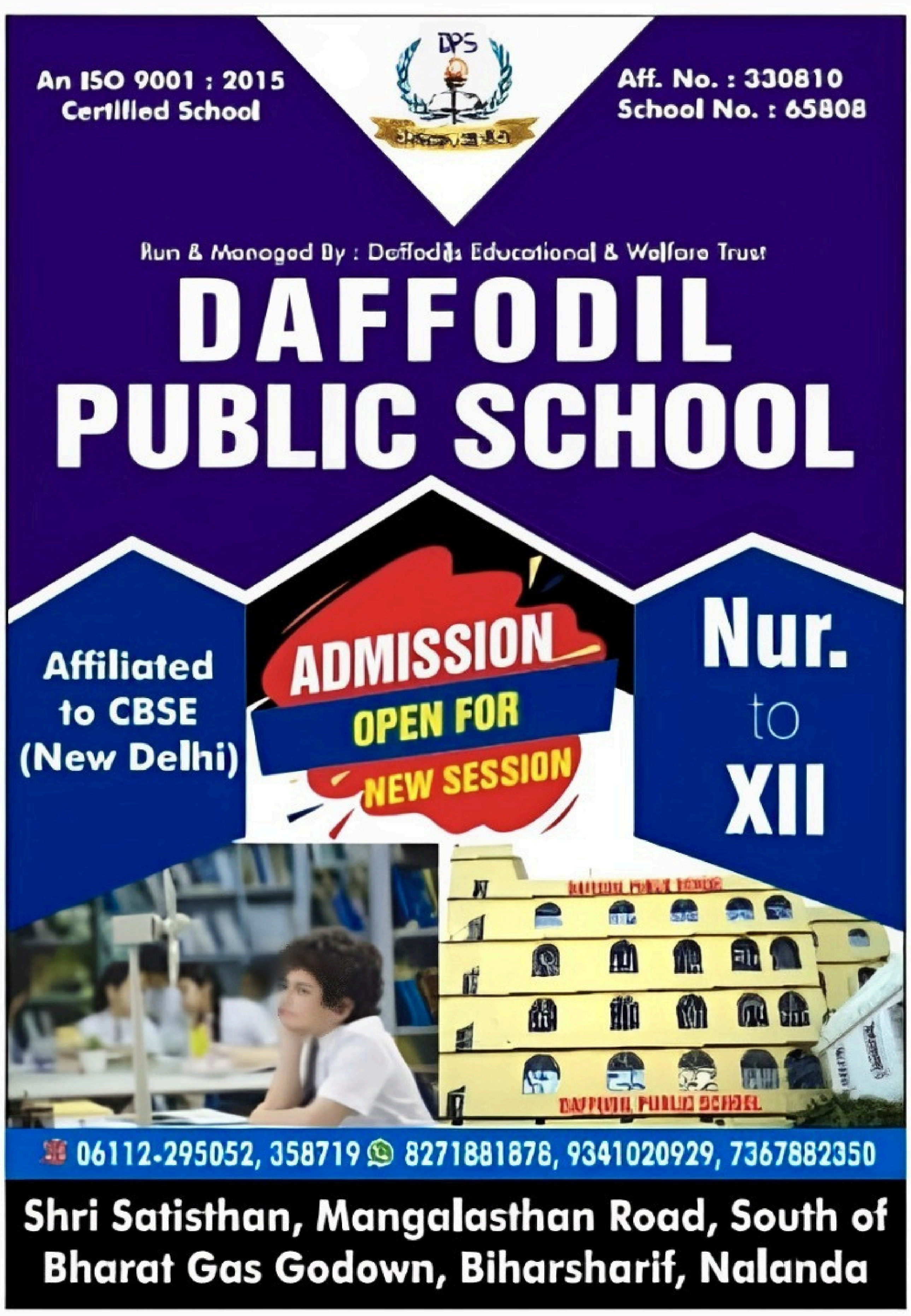

बिहार में औद्योगिक क्रांति की तैयारी, टेक्सटाइल सेंटर पर जोर

पटना (अपना नालंदा)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में उद्योग विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय योजनाओं और भावी कार्ययोजना की जानकारी दी।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास ही बिहार को समृद्धि और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है। उन्होंने राज्य में 11 मेगा पार्क तथा सभी 38 जिलों में फूड पार्क विकसित करने का निर्देश दिया। साथ ही औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार करने और उद्योगों के लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया जाए तथा उद्योग स्थापना की सभी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाए। उन्होंने फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, फार्मा और एमएसएमई क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं का लाभ उठाने का निर्देश देते हुए बिहार में टेक्सटाइल इंडस्ट्रियल सेंटर स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम करने को कहा।

उन्होंने स्टार्टअप इको सिस्टम को मजबूत कर युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने तथा उद्योगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने और नई औद्योगिक इकाइयों को निर्धारित प्रोत्साहन राशि समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में उद्योग मंत्री श्रेयशी सिंह, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जदयू मुख्यालय पहुंचे नीतीश कुमार, संगठनात्मक गतिविधियों की ली जानकारी

पटना(अपना नालंदा)। जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार बुधवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर नीतीश कुमार का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में मौजूद समर्थकों ने नारे लगाकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की तथा संगठन की गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की।

नीतीश कुमार ने जनसुनवाई कार्यक्रम के संचालन और उसके प्रभाव को लेकर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना सरकार और संगठन दोनों कीप्राथमिकता है। इस संबंध में उन्होंने पार्टी नेताओं और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से विभिन्न जिलों में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की।

इस अवसर पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, अनिल कुमार, अरविंद कुमार उर्फ छोटू सिंह, लोकप्रकाश सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में स्वास्थ्य मंत्री ने सुनी समस्याएं, दिए त्वरित निर्देश

पटना(अपना नालंदा)। जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय, पटना में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई के दौरान बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को विधिसम्मत एवं शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निपटारा सरकार की प्राथमिकता है और जनसुनवाई कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दामोदर रावत तथा आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा भी मौजूद रहे। दोनों मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों और समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस अवसर पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा तथा विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी आम लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की।

जनसुनवाई कार्यक्रम के समापन के बाद उपस्थित लोगों ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और समाधान का भरोसा दिया गया। लोगों ने जनहित में आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए इसे सरकार और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बताया।

भाजपा का संगठन बूथ स्तर तक मजबूत करेगा ओबीसी मोर्चा

पटना (अपना नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, बिहार के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, मोर्चा नेताओं तथा विभिन्न जिलों से पहुंचे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पदभार ग्रहण के बाद अपने संबोधन में प्रमोद चंद्रवंशी ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह केवल एक पद नहीं बल्कि संगठन और समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा पिछड़े, अति पिछड़े एवं वंचित वर्गों के सम्मान, सशक्तिकरण और विकास को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाएगा। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।समारोह में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष रंजन, प्रदेश मंत्री प्रभाकर मिश्रा सहित ओबीसी मोर्चा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवपूजन राम, संजय निषाद, संतोष पटेल, रमन चंद्रवंशी, विकास सैनी, मुन्ना चौहान, भूपेंद्र यादव, विवेक सैनी, चंदन जायसवाल, भावना शर्मा, प्रीति सिंह चंद्रवंशी, जय शर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। समारोह के दौरान संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का संकल्प भी दोहराया गया।

मंडल कारा जहानाबाद में विधिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की गई समीक्षा

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के संयुक्त सचिव अविनाश कुमार ने अपने तीन दिवसीय जहानाबाद भ्रमण कार्यक्रम के तहत बुधवार को मंडल कारा, जहानाबाद का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार, जहानाबाद के सचिव बृजेश कुमार उपस्थित रहे। कारा पहुंचने पर जेल प्रशासन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त सचिव ने निःशुल्क विधिक सहायता क्लीनिक, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता सेवाओं की समीक्षा की। बंदियों की समस्याएं सुनकर उन्होंने लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य अधिवक्ता बैद्यनाथ शरण एवं राजीव कुमार को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा पात्र बंदियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

उन्होंने कारा अस्पताल, महिला बंदी वार्ड, रसोईघर, विभिन्न वार्डों एवं विशेष प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता और भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कारा प्रशासन द्वारा किए जा रहे सुधारात्मक कार्यों की सराहना भी की गई।

इस अवसर पर अविनाश कुमार ने 50 बंदियों के लिए डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (डीसीए) प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा बंदियों के पुनर्वास एवं आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण माध्यम है।

निरीक्षण में जेल अधीक्षक अजीत कुमार, उपाधीक्षक सुधीर सिंह, अधिवक्ता बैद्यनाथ शरण, राजीव कुमार सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जेल प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि भ्रमण के दौरान जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, ऑब्जर्वेशन होम एवं बाल संरक्षण संस्थानों का भी निरीक्षण किया जाएगा।

औचक निरीक्षण में एसपी ने अपराध नियंत्रण और निष्पादन पर दिया जोर

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। जिला पुलिस अधीक्षक अपराजिता लोहान ने बुधवार को उमता धरनई थाना का औचक निरीक्षण कर थाना प्रशासन की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण तथा क्षेत्र की विधि-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, मालखाना, बंदी गृह (हाजत) तथा विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया।

पुलिस अधीक्षक ने थाने में लंबित कांडों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जन शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध निवारण पर विशेष बल देते हुए कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।समीक्षा के दौरान अपराजिता लोहान ने वारंटएवं कुर्की-जब्ती की कार्रवाई को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फरार अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर कानून का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

एसपी ने क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए नियमित गश्ती अभियान चलाने, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने तथा सघन वाहन जांच अभियान संचालित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सतर्कता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की सलाह दी।

निरीक्षण के दौरान थाना की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने बेहतर पुलिसिंग एवं अपराध नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया।

स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु अभियान से बढ़ी पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत संचालित "स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु" कार्यक्रम के तहत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान एवं सूचीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा सामुदायिक स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है।

विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस अभियान के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को चक्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा से अवगत कराया गया। साथ ही सामुदायिक स्वच्छता परिसंपत्तियों के संचालन एवं अनुरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मियों ने गांव-गांव जाकर लोगों को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन तथा प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

अभियान के दौरान यह भी बताया गया कि जिन संस्थानों अथवा परिसरों का निर्मित फ्लोर एरिया 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक है, प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत होती है अथवा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक कचरा उत्पन्न होता है, उन्हें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

इस विशेष अभियान में जिले के सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक, प्रखंड समन्वयक, जिला सलाहकार एवं जिला समन्वयक सक्रिय रूप से शामिल रहे। उन्होंने क्षेत्र भ्रमण कर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए तथा लोगों को स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु और बेहतर पर्यावरण के लिए योगदान देने का आह्वान किया।

रेड क्रॉस ने टीबी मरीजों को वितरित किया पोषण आहार

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)। भारत सरकार एवं बिहार सरकार द्वारा संचालित टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से बुधवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जहानाबाद द्वारा 20 टीबी मरीजों के बीच पोषण आहार का वितरण किया गया। मरीजों को यह पोषण सहायता अगले छह माह तक नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके और उपचार को प्रभावी बनाया जा सके।

कार्यक्रम का आयोजन रेड क्रॉस भवन में किया गया, जहां अनुमंडल पदाधिकारी सह रेड क्रॉस के वाइस प्रेसिडेंट राजीव रंजन सिंह, सिविल सर्जन सह रेड क्रॉस अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र कुमार सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान टीबी मरीजों को पौष्टिक आहार सामग्री प्रदान की गई तथा उन्हें नियमित उपचार और संतुलित भोजन लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर राजीव रंजन सिंह ने कहा कि बिहार के राज्यपाल के आह्वान पर जिले को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मरीजों को पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि गुणवत्तापूर्ण भोजन के माध्यम से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे शीघ्र स्वस्थ हो सकें।उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सदैव गरीब, जरूरतमंद एवं आपदा प्रभावित लोगों की सेवा के लिए कार्य करती रही है। समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि ऐसे मानवीय कार्यों में अधिक से अधिक लोग सहयोग करें। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी टीबी उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत क्यों निशाने पर ? के हावड़ा स्थित लोकार्पण समारोह में अतिथि स्वरूप पहुंचे वैशाली के पत्रकार शशि भूषण

कोलकाता (अपना नालंदा)।पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित रत्नाकर नॉर्थ प्वाइंट स्कूल सभागार में लेखक विप्लव विकास जी की पुस्तक "भारत क्यों निशाने पर?" लोकार्पण बड़े ही शानदार तरीके से किया गया । लोकार्पण के अवसर पर नेपाल और भारत के कई राज्यों से लेखको एवं पत्रकारों की उपस्थित रही। इस शुभ अवसर पर नेपाल से पहुंचे नेपाली टीवी के वरिष्ठ पत्रकार रुद्र सूबेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय की हिंदी की विद्वान अध्यापिका प्रोफेसर अस्मिता मिश्रा, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अनिरुद्ध सुधांशु,बिहार से पहुंचे मानवाधिकार पत्रकारिता के संवाहक डॉ शशि भूषण कुमार एवं स्कूल के प्राचार्य श्री आनंद पांडे ने "भारत क्यों निशाने पर?" पुस्तक का लोकार्पण संयुक्त रूप से किया।

इस पुस्तक के लेखक विप्लव विकास ने कहा कि यह पुस्तक कई सीरीज में निकाला जाएगा। इस सीरीज का यह पहली पुस्तक है। आशा है जो सुधी पाठक होंगे हमारे इस विचार को पसंद करेंगे और हमें आगे पुस्तक को लिखने में अपना बौद्धिक सहयोग देंगे जिससे पुस्तक लिखने के क्रम में हम में ऊर्जा छपरा प्रवाह होता रहे । मानवाधिकार टुडे के संपादक डॉ शशि भूषण कुमार ने कहा- विकास जी की पुस्तक के शीर्षक से ही आप समझ सकते हैं उनके अंदर भारत के लिए क्या सोच उपज रही है और उन विचारों को वह अपनी लेखनी के माध्यम से लोगों के बीच कैसे रखने के लिए व्याकुल है। उनके इस असाधारण पुस्तक लेखन के लिए हमारी ओर से बधाई है शुभकामना है । इसी तरह निरंतर लिखते रहे और समाज को जागृत करते रहें।

टमाटर की बंपर उपज से बढ़ी परेशानी, किसानों को भारी नुकसान

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा प्रखंड के हसनपुर गांव में इस वर्ष टमाटर की बंपर पैदावार हुई है, लेकिन किसानों के चेहरे पर खुशी की जगह चिंता साफ दिखाई दे रही है। बाजार में टमाटर की अधिक आवक के कारण कीमतों में भारी गिरावट आ गई है, जिससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई किसान टमाटर सड़क किनारे फेंकने को मजबूर हो गए हैं।

हसनपुर गांव में करीब 40 एकड़ भूमि पर टमाटर की खेती की गई है। गांव के बड़ी संख्या में किसान इसी फसल पर निर्भर हैं। वर्तमान में टमाटर का बाजार भाव मात्र 700 रुपये प्रति क्विंटल, यानी लगभग 7 रुपये प्रति किलो है। वहीं खेत से सीधे बिक्री करने पर किसानों को केवल 5 रुपये प्रति किलो तक का दाम मिल रहा है।किसान मदन मोहन शरण, सूरज कुमार, अमूल कुमार, रामेश्वर प्रसाद, संजय प्रसाद, राजीव कुमार, गुड्डू प्रसाद और रंजीत कुमार ने बताया कि फसल उत्पादन में बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी और कीटनाशक दवाओं पर भारी खर्च हुआ है। इसके बावजूद उपज की कीमत इतनी कम मिल रही है कि उत्पादन लागत तक निकालना मुश्किल हो गया है।

किसानों का कहना है कि मंडियों में खरीदारों की कमी और गिरती कीमतों ने उनकी आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। खेत से बाजार तक टमाटर पहुंचाने का भाड़ा भी नहीं निकल रहा है।

उचित मूल्य नहीं मिलने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनकी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुराने मित्रों का दौलतपुर में आत्मीय पारिवारिक मिलन समारोह

दौलतपुर (बलिया)। ग्राम एवं पोस्ट दौलतपुर में बुधवार को पुराने मित्रों के बीच आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह का सुंदर उदाहरण देखने को मिला। ग्राम प्रधान अनिल सिंह के आवास पर उनके घनिष्ठ मित्र मिथिलेश सिंह अपनी पत्नी निवेदिता सिंह के साथ पहुंचे। निवेदिता सिंह वर्तमान में विदेश मंत्रालय में कार्यरत हैं। उनके आगमन पर परिवार के सदस्यों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर निवेदिता सिंह ने परिवार की सदस्य मंजू सिंह सहित अन्य परिजनों से मुलाकात की और सामाजिक, पारिवारिक तथा समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान पारिवारिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने तथा आपसी सहयोग की भावना को बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता और सौहार्द का वातावरण बना रहा।

बताया गया कि मिथिलेश सिंह और अनिल सिंह की मित्रता छात्र जीवन से चली आ रही है। दोनों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में साथ अध्ययन किया था। वर्षों पुरानी यह मित्रता आज भी उतनी ही मजबूत है, जिसके कारण दोनों समय-समय पर एक-दूसरे से मिलते रहते हैं और पारिवारिक संबंधों को बनाए रखते हैं।

कार्यक्रम में मिथिलेश सिंह के छोटे भाई अखिलेश सिंह भी उपस्थित रहे। परिवार के वरिष्ठ सदस्य बाबा शिव प्रसन्न सिंह से सभी ने आशीर्वाद प्राप्त किया। पारिवारिक भेंट, चर्चा और सौहार्दपूर्ण संवाद के बाद अतिथिगण अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए।

ग्रामीणों ने इस आत्मीय मिलन को मित्रता, पारिवारिक एकता और सामाजिक सौहार्द का प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए इसकी सराहना की।

पंचमुहवा पुल लूटकांड का खुलासा, 48 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा पुलिस ने एकंगरसराय थाना क्षेत्र के चर्चित पंचमुहवा पुल लूटकांड का महज 48 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी के पास से लूटी गई सामग्री भी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार 31 मई 2026 की रात करीब 11 बजे एकंगरसराय थाना क्षेत्र के पंचमुहवा पुल के समीप दो अज्ञात अपराधियों ने एक पीकअप चालक के साथ मारपीट कर उसका वीवो कंपनी का मोबाइल फोन, सोने का लॉकेट और 5 हजार रुपये नकद लूट लिया था। इस संबंध में पीड़ित चालक संतोष कुमार के लिखित आवेदन पर एकंगरसराय थाना कांड संख्या 118/26 दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना तंत्र के माध्यम से अपराधियों की पहचान की गई। जांच के दौरान पुलिस ने परवलपुर थाना क्षेत्र के शिवनगर निवासी मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी के पास से लूटा गया वीवो कंपनी का मोबाइल फोन, एक सोने का लॉकेट तथा 3 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है।

इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार, थानाध्यक्ष अनिल कुमार, डोली कुमारी, श्रवण कुमार, सुनील कुमार चौधरी, चालक राजेश कुमार समेत एकंगरसराय थाना के सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

नानंद पुल मोबाइल छिनतई कांड में मुख्य आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पावापुरी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल छिनतई मामले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से छीना गया स्मार्ट मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार 3 जून 2026 को सिलाव थाना क्षेत्र के नानंद निवासी राहुल कुमार साइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान नानंद पुल के पास एक नीले रंग की अपाची मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाशों ने उनके पॉकेट में रखा स्मार्ट मोबाइल झपट लिया और पावापुरी चौक की ओर भागने लगे। घटना की सूचना तत्काल पावापुरी थाना और डायल-112 को दी गई।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष गौरव कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर बदमाशों का पीछा शुरू किया। पीछा करने के दौरान आरोपी तेज रफ्तार से भागते हुए जीआईपी मॉल के पास सड़क किनारे खड़े दो बच्चों को भी ठोकर मारकर फरार होने का प्रयास करने लगे। हालांकि पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि बाइक चला रहा दूसरा आरोपी खेत और भीड़ का लाभ उठाकर फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के धोईबिगहा निवासी मिथुन कुमार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से छीना गया फिलिप्स कंपनी का स्मार्ट मोबाइल फोन और अपाची मोटरसाइकिल (बीआर01ईएल-8901) बरामद की गई। पूछताछ में उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए फरार साथी सोनू कुमार का नाम बताया है।

इस संबंध में गिरियक (पावापुरी) थाना कांड संख्या 275/26 दर्ज कर फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

फर्जी बीएड प्रमाणपत्र से नौकरी पाने का मामला, शिक्षिका पर एफआईआर

हिलसा (अपना नालंदा)। नालंदा जिले में नियोजित शिक्षकों के प्रमाणपत्रों की जांच के दौरान फर्जी बीएड प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी हासिल करने का मामला सामने आया है। इस मामले में हिलसा थाना में शिक्षिका समेत अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। कार्रवाई बिहार सरकार के निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

जानकारी के अनुसार, पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्यभर में नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2013 में हिलसा प्रखंड में नियोजित शिक्षिका शारदा रानी के बीएड प्रमाणपत्र की जांच की गई। सत्यापन के लिए प्रमाणपत्र में अंकित रोल नंबर, नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर को उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर से मिलान कराया गया।विश्वविद्यालय द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि प्रमाणपत्र में दर्ज नाम, रोल नंबर और रजिस्ट्रेशन नंबर उनके अभिलेखों से मेल नहीं खाते हैं। इसके बाद निगरानी विभाग ने प्रमाणपत्र को फर्जी मानते हुए संबंधित शिक्षिका तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों की संलिप्तता की आशंका जताई।

निगरानी विभाग के पत्र के आलोक में हिलसा थाना में शिक्षिका शारदा रानी और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ कूटरचना, धोखाधड़ी एवं फर्जी दस्तावेज के उपयोग से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। वर्तमान में शारदा रानी उत्क्रमित मध्य विद्यालय पचरुखिया में पदस्थापित हैं।

थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि फर्जी प्रमाणपत्र तैयार करने और नियोजन प्रक्रिया में किसी अन्य व्यक्ति या गिरोह की भूमिका तो नहीं रही। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमे में भी हलचल तेज हो गई है।

राशि गबन के आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई की मांग, डीपीओ स्थापना की कार्यशैली पर उठे सवाल

अखिलेंद्र कुमार

पटना(अपना नालंदा)। प्राथमिक विद्यालय जक्कनपुर गोलघर, पटना के सहायक शिक्षक सुधीर कुमार सिंह पर वेतन के रूप में अधिक राशि प्राप्त करने के प्रमाणित आरोपों के बाद वसूली की कार्रवाई होने के बावजूद विभागीय कार्रवाई नहीं किए जाने का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, डीडीओ की आंखों में धूल झोंककर अधिक वेतन प्राप्त करने के आरोप में 28,236 रुपये की वसूली की गई थी। इस वसूली आदेश के खिलाफ शिक्षक द्वारा दायर अपील तथा न्यायालय में दायर वाद भी खारिज हो चुका है।

इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता विनय राय ने लगभग एक वर्ष पूर्व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना), पटना को शिकायत दी थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद संबंधित अधिकारी अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

विनय राय ने बताया कि इसी प्रकार के एक अन्य मामले में अखिलेश्वर प्रसाद, प्रभारी प्रधानाध्यापक, मध्य विद्यालय भगवतीपुर करमौर (पंडारक), पटना को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई की गई थी। उन्होंने इस संबंध में न्यायालय के आदेश का उदाहरण भी विभाग को उपलब्ध कराया है।

सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि जब समान प्रकृति के मामले में दूसरे कर्मचारी पर कार्रवाई की जा सकती है, तो सुधीर कुमार सिंह के मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक विभागीय कार्रवाई की मांग की है।

विनय राय ने कहा कि मामले में हो रही देरी से विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है तथा दोषी पाए गए कर्मियों के विरुद्ध समान रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुखिया संघ ने बीडीओ के आरोपों को बताया निराधार और भ्रामक

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिला मुखिया संघ ने गिरियक प्रखंड के चोरसुआ पंचायत के मुखिया सह जिला मुखिया संघ के सचिव चन्दन कुमार पर लगाए गए आरोपों को निराधार, बेबुनियाद और भ्रामक बताया है। जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार उर्फ बिहारी सिंह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गिरियक प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2022 से 2024 तक नालंदा जिला सहित बिहार राज्य के विभिन्न पंचायतों एवं पंचायत समितियों में योजनाओं के अंतर्गत मजदूरों का भुगतान लेबरमेट के माध्यम से किया जाता रहा है। ऐसे में केवल एक पंचायत को निशाना बनाकर अनियमितता का आरोप लगाना उचित नहीं है।

संघ ने सवाल उठाया कि यदि इस प्रक्रिया को गलत माना जाता है, तो क्या पूरे राज्य में किए गए भुगतान को भी अनियमित माना जाएगा।

मुखिया संघ का आरोप है कि प्रखंड विकास पदाधिकारी व्यक्तिगत भावना से प्रेरित होकर संबंधित पंचायत को टारगेट कर रहे हैं। संघ ने यह भी कहा कि मीडिया में सार्वजनिक बयानबाजी कर बीडीओ ने बिहार सरकारी सेवक आचार (संशोधन) नियमावली, 2026 की भावना का उल्लंघन किया है।

जिला मुखिया संघ ने बीडीओ द्वारा दिए गए बयानों का कड़ा विरोध करते हुए मीडिया से भी तथ्यों की पुष्टि के बाद ही समाचार प्रकाशित करने की अपील की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि इस प्रकार की कार्रवाई और बयानबाजी जारी रही तो नालंदा जिला मुखिया संघ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

पर्यटन स्थलों पर वेंडर जोन, रोजगार और उद्योग नीति को लेकर जनसूराज ने सरकार से पूछे 12 अहम सवाल

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। जनसूराज के व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कुमार विभूति ने बिहार सरकार के समक्ष पर्यटन, रोजगार, छोटे व्यवसायियों और औद्योगिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हजारों छोटे दुकानदार, ठेला-खोमचा विक्रेता, हस्तशिल्प कारोबारी और स्थानीय स्वरोज़गार से जुड़े लोग अपनी आजीविका चलाते हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर उनके लिए व्यवस्थित वेंडर जोन या स्थायी बाजार की व्यवस्था नहीं है।

उन्होंने कहा कि वेंडर जोन के अभाव में छोटे और कमजोर व्यवसायियों को प्रशासनिक कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने की चेतावनी, जुर्माना और उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे उनकी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और पर्यटन से मिलने वाले आर्थिक लाभ का पूरा फायदा स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंच पाता।

उपेंद्र कुमार विभूति ने सवाल उठाया कि जब देश के कई राज्यों में प्रमुख पर्यटन स्थलों पर वेंडर जोन, फूड कोर्ट और स्थानीय उत्पादों के लिए विशेष बाजार विकसित किए जा चुके हैं, तब बिहार के पर्यटन स्थलों पर ऐसी व्यवस्था अब तक क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल दर्शनीय स्थलों के निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोज़गार के अवसर भी सृजित होने चाहिए।

उन्होंने सरकार से पूछा कि आखिर कब तक छोटे दुकानदार और गरीब व्यवसायी अस्थायी व्यवस्था के भरोसे अपना रोजगार चलाते रहेंगे। साथ ही यह भी जानना चाहा कि क्या राज्य के प्रत्येक प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्थायी वेंडर जोन, पार्किंग, शौचालय और स्थानीय उत्पाद बाजार विकसित करने की कोई समयबद्ध योजना सरकार के पास है या नहीं।

व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार में उद्योग और निवेश की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विशाल युवा आबादी और पर्याप्त श्रमशक्ति होने के बावजू राज्य निवेश और औद्योगिक विकास के मामले में अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या केवल लीची, केला, मखाना, बालू और कुछ कृषि उत्पादों के सहारे बिहार की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

उन्होंने स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों और ग्रामीण उद्यमों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों की जानकारी भी मांगी। साथ ही यह सवाल भी उठाया कि अन्य राज्यों की तरह बिहार के उत्पादों को व्यापक पहचान और ब्रांडिंग दिलाने में अब तक अपेक्षित सफलता क्यों नहीं मिल सकी है।

उपेंद्र कुमार विभूति ने कहा कि रोजगार के सीमित अवसरों के कारण बिहार के लाखों युवाओं को दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। उन्होंने सरकार से पर्यटन, कृषि और उद्योग को एकीकृत कर रोजगार सृजन की व्यापक रणनीति सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार पर्यटन स्थलों पर स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोज़गार आधारित बाजार विकसित करने को तैयार है।

उन्होंने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए भूमि उपलब्धता, बिजली आपूर्ति, परिवहन सुविधाओं और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल और प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया तथा इस दिशा में अब तक हुई उपलब्धियों का ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की।

जनसूराज के प्रमुख सुझाव

उपेंद्र कुमार विभूति ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आधुनिक वेंडर जोन विकसित किए जाएं। स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए स्थायी केंद्र स्थापित किए जाएं तथा पर्यटन स्थलों को हस्तशिल्प और स्थानीय खाद्य उत्पादों के बाजार से जोड़ा जाए।

उन्होंने जिला स्तर पर छोटे उद्योगों के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज, युवाओं के लिए पर्यटन आधारित स्वरोज़गार योजनाएं, बिहार के प्रमुख उत्पादों की ब्रांडिंग एवं विपणन के लिए अलग प्राधिकरण तथा निवेशकों के लिए प्रभावी सिंगल विंडो व्यवस्था लागू करने की मांग की।

इसके अलावा उन्होंने प्रत्येक जिले में स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए स्थायी हाट एवं मार्केट कॉम्प्लेक्स विकसित करने तथा छोटे और कमजोर व्यवसायियों को कानूनी सुरक्षा एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि यदि पर्यटन, कृषि और उद्योग को एकीकृत करते हुए रोजगार सृजन का मॉडल विकसित किया जाए तो बिहार आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकता है और राज्य से होने वाले पलायन में भी कमी लाई जा सकती है। जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर सरकार को स्पष्ट नीति और समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत करनी चाहिए।

— उपेंद्र कुमार विभूति, प्रदेश अध्यक्ष, व्यवसायिक प्रकोष्ठ, जनसूराज बिहार